# वाइटल स्टैट्स

## राजस्थान की 16वीं विधानसभा का प्रोफाइल

राजस्थान की 16वीं विधानसभा के चुनाव के नतीजे 3 दिसंबर, 2023 को घोषित किए गए। राज्य में विधानसभा की 200 सीटें हैं। नई विधानसभा के लिए करणपुर सीट पर चुनाव रद्द कर दिया गया। इस नोट में विधानसभा के नए सदस्यों (विधायकों) के प्रोफाइल की तुलना विधानसभा के पिछले कार्यकाल से की गई है।

### बीजेपी ने 58% के बहुमत के साथ जीत हासिल की

| राजनैतिक दल | 2018 | 2023 |
|---|---|---|
| भारतीय जनता पार्टी | 73 | 115 |
| भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस | 100 | 69 |
| भारत आदिवासी पार्टी | 0 | 3 |
| बहुजन समाज पार्टी | 6 | 2 |
| राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी | 3 | 1 |
| राष्ट्रीय लोक दल | 1 | 1 |
| भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) | 2 | 0 |
| भारतीय ट्राइबल पार्टी | 2 | 0 |
| स्वतंत्र | 13 | 8 |

नोट: 2023 में एक सीट पर चुनाव रद्द कर दिया गया; निर्वाचन आयोग के 2018 के नतीजों में एक सीट शामिल है जिसके लिए चुनाव लंबित कर दिए गए थे।

### विधानसभा में महिलाओं की संख्या कभी भी 15% से अधिक नहीं रही

**राजस्थान विधानसभा के लिए निर्वाचित महिलाएं**

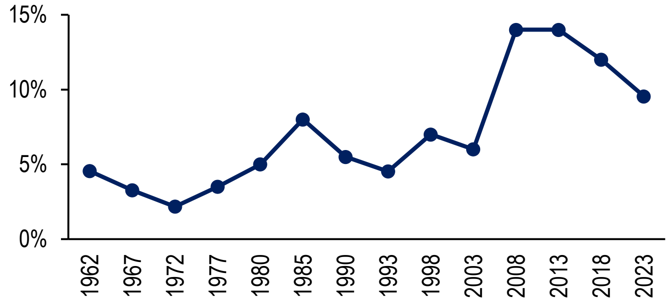


**जेंडर प्रोफाइल**

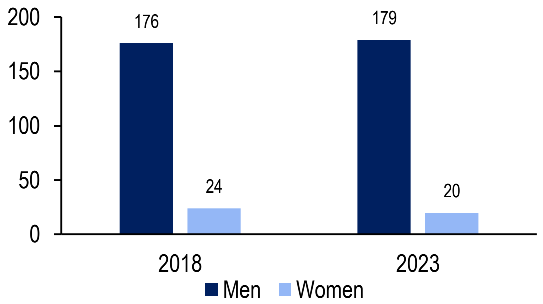


नोट: ग्राफ़ में उप-चुनावों के कारण विधानसभा में किसी भी बदलाव को शामिल नहीं किया गया है।

हालांकि पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान विधानसभा में अधिक महिलाएं चुनी गई हैं, लेकिन विधानसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कभी भी 15% से अधिक नहीं रहा है। 2018 में 24 महिलाएं विधानसभा के लिए चुनी गईं; 16वीं विधानसभा में यह संख्या घटकर 20 रह गई है। उल्लेखनीय है कि इन आंकड़ों में उप-चुनावों के कारण होने वाले किसी भी बदलाव को शामिल नहीं किया गया है।

**अर्पिता मलिक**
arpita@prsindia.org

**निरंजना एस. मेनोन**
niranjana@prsindia.org

4 दिसंबर, 2023

## शिक्षा और आयु की स्थिति वैसी है

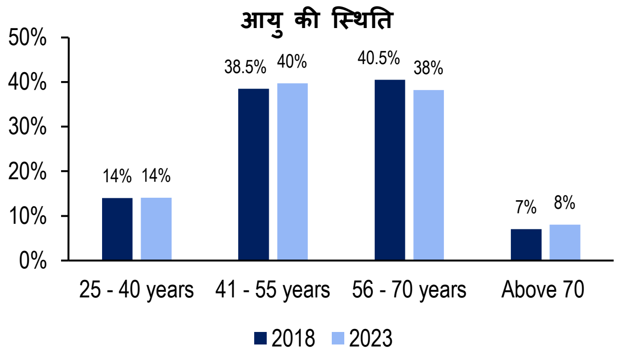


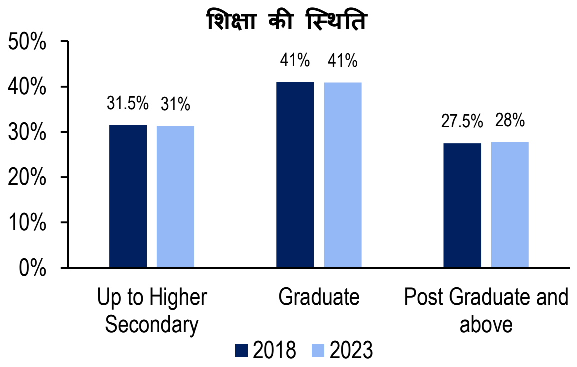


- राजस्थान में अधिकांश विधायकों के पास ग्रैजुएट डिग्री है। 2018 में निर्वाचित महिलाओं में से आधे से अधिक और निर्वाचित पुरुषों में से लगभग एक चौथाई पोस्ट-ग्रैजुएट थे। 2023 में भी अनुपात समान रहेगा।
- 2018 में निर्वाचित सदस्यों में से 48% (200 में से 95), 55 वर्ष से अधिक उम्र के थे। नई विधानसभा में यह अनुपात मामूली रूप से कम (46%) हुआ है।

स्रोत: भारत निर्वाचन आयोग (results.eci.gov.in); ईसीआई पर अपलोड किए गए उम्मीदवारों के शपथ पत्र; MyNeta(https://www.myneta.info); पीआरएस।
नोट: इस विश्लेषण में उप-चुनावों के कारण विधानसभा में हुए किसी बदलाव को शामिल नहीं किया गया है।

**अस्वीकरणः** प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह रिपोर्ट मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार की गई है। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी की मूल रिपोर्ट से इसकी पुष्टि की जा सकती है।